

9

न्यायालय श्रीमान् अध्यक्ष महोदय राजस्व मंडल ग्वालियर,
सर्किट कोर्ट-रीवा (म०प्र०)



III/विविध/सीधी/भूरा/2017/4168
उत्तरार्थी क्रमांक-02 ता 06 की ओर से पेश आवेदन पत्र

श्री. राजेश्वर प्रसाद
पेश आज दि. 2-11-17
परतुल

द्वितीय राजस्व अपील क्रमांक-2445/II/2013

आदेश दिनांक-15.09.2017

1. भैयालाल तनय स्वर्गीय राम मनोहर स्वीपर

2. झल्ली वेवा पत्नी राममनोहर स्वीपर,

दोनो निवासी ग्राम-कोतरकला, तहसील-गोपदबनास, जिला-सीधी (म०प्र०)

अपीलार्थीगण

बनाम

1. मध्यप्रदेश शासन

2. गंगा प्रसाद वानी तनय स्वर्गीय रामलक्ष्मण वानी, 74वर्ष

3. अयोध्या प्रसाद वानी तनय स्वर्गीय रामलक्ष्मण वानी, 70वर्ष

4. सीताशरण वानी तनय स्वर्गीय रामलक्ष्मण वानी, 55वर्ष

5. कृष्ण कुमार वानी तनय स्वर्गीय रामलक्ष्मण वानी, 52वर्ष

6. श्यामलाल वानी तनय स्वर्गीय रामलक्ष्मण वानी, 50वर्ष

अनावेदक क्रमांक-2 ता 6 सभी निवासी ग्राम-कोतरकला, तहसील-गोपदबनास,
जिला-सीधी (म०प्र०)

अनावेदकगण/उत्तरार्थीगण

न्यायालय अपर आयुक्त रीवा संभाग रीवा
द्वारा प्रकरण क्रमांक-44/अपील/2011-12
में पारित आदेश दिनांक-16.05.2013 के
विरुद्ध म०प्र०भू-राजस्व संहिता 1959 की
धारा 44(2) अधीन द्वितीय अपील

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 32 मध्यप्रदेश
भू-राजस्व संहिता 1959 एवं सहपठित
धारा 152 सिविल प्रक्रिया संहिता 1908

श्री. राजेश्वर प्रसाद
पेश आज दि. 2-11-17
परतुल

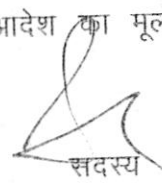
श्री. राजेश्वर प्रसाद
पेश आज दि. 2-11-17
परतुल

श्री. राजेश्वर प्रसाद
पेश आज दि. 2-11-17
परतुल

राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक तीन / विविध / सीधी / भूरा / 2017 / 4168

स्थान एवं दिनांक	कार्यवाही तथा आदेश	पक्षकारों अभिभाषकों हस्ताक्षर एवं के
11-01-2018	<p>आवेदक के अधिवक्ता श्री सुनील सिंह जादौन उपस्थित होकर आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 32 म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 152 सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के तहत प्रस्तुत कर अनुरोध किया गया है कि इस न्यायालय में अपील क्रमांक 2445-दो/2013 में पारित आदेश दिनांक 15.9.17 में लिपिकीय त्रुटि से आदेश के चरण क्रमांक 4 के लाईन क्रमांक -4 में 438/2 के स्थान पर 438 एवं इसी चरण के द्वितीय पैरा के लाईन क्रमांक-5 में 437 के स्थान पर 737 लिपिकीय त्रुटि से टंकित हो गया है। इसी प्रकार चरण क्रमांक 5 के लाईन क्रमांक-5 में 437 के स्थान पर 737 एवं इसी चरण के लाईन क्रमांक -7 में 438/2 के स्थान पर 848 लिपिकीय त्रुटि की बजह से अंकित हो गया है, जिसे सुधार किये जाने का अनुरोध किया गया।</p> <p>2-आवेदक अधिवक्ता का निवेदन स्वीकार किया जाता है के चरण क्रमांक 4 के लाईन क्रमांक -4 में 438 के स्थान पर 438/2 पढ़ा जावे। एवं इसी चरण के द्वितीय पैरा के लाईन क्रमांक-5 में 737 के स्थान पर 437 पढ़ा जावे। इसी प्रकार चरण क्रमांक 5 के लाईन क्रमांक-5 में 737 के स्थान पर 437 पढ़ा जावे। एवं इसी चरण के लाईन क्रमांक -7 में 848 के स्थान पर 438/2 पढ़ा जावे। यह आदेश पत्रिका आदेश का मूल अंग मानी जावेगी।</p>	 सदस्य